दो न्यूमेरिकल सवाल बताने के बाद दो मिनट का दें ब्रेक

50 इंजीनियरिंग प्रोफेसर्स को दिया गया प्रशिक्षण

रायपुर। नईदुनिया प्रतिनिधि

भारतीय प्रबंधन संस्थान (आइआइएम) रायपुर में इंजीनियरिंग कॉलेज के प्रोफेसर्स की कार्यक्षमता और तकनीकी शिक्षा में कुशल प्रबंधन पर कार्यशाला आयोजित की गई। इसमें इंजीनियरिंग के प्रति छात्रों के घटते रुझान और कुशल प्रबंधन की कमी को दूर करने के लिए आइआइएम के प्रोफेसर्स ने प्रशिक्षण दिया।

बतौर विशेषज्ञ प्रो. जागरूक डावरा ने बताया कि प्रत्येक प्रोफेसर दो न्यूमेरिकल सवाल समझाने के बाद दो मिनट का ब्रेक दें। इससे छात्रों में प्रश्न पूछने की क्षमता का विकास होगा और वे इंजीनियरिंग के विषय में रुची लेने लगेंगे। वर्तमान समय में प्राध्यापक लगातार 45 मिनट का पीरियड लेते हैं। ऐसे में छात्रों को विषय कठिन लगने लगता है। एनआइटी कुरुक्षेत्र, एनआइटी दुर्गापुर, गुरु नानक देव इंजीनियरिंग कॉलेज लुधियाना और कई अन्य कॉलेजों के प्रोफेसरों ने प्रशिक्षण में भाग लिया।

कार्यक्रम के निदेशक प्रो. आरके जाना और प्रो. जागरूक डावरा ने पारस्परिक कौशल, शिक्षण कौशल, प्रबंधकीय कौशल और प्रशासनिक कौशल के क्षेत्रों में दक्षता पर चर्चा करते कहा कि हमारा उद्देश्य प्रशिक्षण के माध्यम से इंजीनियरिंग के प्रोफेसरों को अधिक प्रभावी बनाना है। यह कार्यक्रम एक इंजीनियरिंग कॉलेज के मिशन, विजन और उद्देश्यों के अवलोकन के साथ शुरू हुआ। प्रतिभागियों को उनके संस्थानों के मिशन और विजन को समझने और सराहना करने के लिए प्रोत्साहित किया गया। संस्थान के निदेशक प्रो. भारत भास्कर ने कहा कि शिक्षा को अधिक पारदर्शी और निष्पक्ष बनाया जा सकता है, शैक्षणिक प्रणाली में दक्षता और प्रभावशीलता लाई जा सकती है।

प्रोफेसर्स की कार्यक्षमता व कुशल प्रबंधन पर कार्यशाला

इन व्यवहारिक दिक्कतों पर हुई चर्चा

- इंजीनियरिंग कॉलेजों में कम हो रहे दाखिले
- इंजीनियरिंग में रोजगार की कम होती संभावनाएं

स्किल मैनेजमेंट की कमी दूर करने के बताए उपाय

- थ्योरी कम लैब पर ज्यादा हो काम
- शोध के लिए प्राइवेट संस्थाओं से उठाएं फंड
- कॉलेजों में ही स्टार्टअप का बनाएं सेल
- छात्रों के बनाए प्रोजेक्ट को कराएं पेटेंट
- प्रोजेक्ट को विस्तार देने के लिए नामी कंपनी से करें आग्रह

Naidunia, 24th June 2019,p.7